nwda.gov.in

प्रयुक्त जल प्रबंधन में देश में सबसे आगे हरियाणा, कर्नाटक व पंजाब : अध्ययन

संजीव गुप्ता • नई दिल्ली

- काउंसिल आन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर द्वारा जारी एक नई रिपोर्ट से आया सामने
- अध्ययन में 10 राज्यों के साथ 503 शहरी स्थानीय निकायों को भी किया गया सूचीबद्ध

हरियाणा, कर्नाटक और पंजाब प्रयुक्त जल प्रबंधन के मामले में देश में सबसे आगे हैं। काउंसिल आन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) की मंगलवार को जारी एक नई रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि शहरों में पानी की बढ़ती मांग और घटते भू-जल स्तर के साथ, देश भर में शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के स्तर पर गैर-पेयजल उद्देश्यों के लिए प्रयुक्त जल का शोधन व इसके पुनः उपयोग को बढ़ाना जरूरी है। रिपोर्ट में सामने आया है कि अभी 90 प्रतिशत यूएलबी में प्रयुक्त जल प्रबंधन के लिए वित्तीय नियोजन एवं निवेश की कमी एक प्रमुख बाधा बनी हुई है।

2021 के आंकड़ों के अनुसार, देश के 72,000 मिलियन लीटर प्रयुक्त जल प्रबंधन में से 28 प्रतिशत का ही शोधन होता है। प्रयुक्त जल के शोधन को मजबूत बनाने और उसके पुनः उपयोग को बढ़ाने के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने की जरूरत है। इसे देखते हुए सीईईडब्ल्यू ने इस रिपोर्ट में अपनी तरह का पहला म्युनिसिपल यूज्ड वाटर मैनेजमेंट (एमयूडब्ल्यूएम) इंडेक्स भी तैयार किया है, जोकि 10 राज्यों- आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान और बंगाल - की उन 503 यूएलबी पर केंद्रित है, जिन्होंने शोधित प्रयुक्त जल के पुनः उपयोग की नीति अपनाई है। यह इडेक्स पांच विषयों- वित्त, बुनियादी ढांचा, दक्षता, प्रशासन और आंकड़े- सूचनाओं - के आधार पर यूएलबी को तुलनात्मक रूप से श्रेणीबद्ध करता है।

रिपोर्ट ने व्यापक श्रेणीबद्ध कार्य योजनाओं के साथ हरियाणा और कर्नाटक को अग्रणी राज्यों के रूप में चिन्हित किया है। इसके बाद पंजाब और राजस्थान हैं। झारखंड और पश्चिम बंगाल में महत्वपूर्ण प्रगति देखी गई है। सीईईडब्ल्यू निष्कर्षों से यह भी पता चलता है कि अधिकांश यूएलबी को प्रयुक्त जल प्रबंधन के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है, क्योंकि 60 प्रतिशत यूएलबी इंडेक्स के निचले आधे हिस्से में हैं।

सीईईडब्ल्यू अध्ययन यूएलबी को दीर्घकालिक पुनः उपयोग योजना को अपनाने के लिए उसे सशक्त बनाने और शहरों में प्रयुक्त जल शोधन व इसके पुनः उपयोग को मुख्यधारा में लाने को आगे बढ़ने के लिए एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने का सुझाव देता है। सीईईडब्ल्यू के सीनियर प्रोग्राम लीड नितिन बस्सी कहते हैं, प्रयुक्त जल के प्रबंधन, शोधन और पुनः उपयोग को लेकर अभी लंबा सफर तय करना है।